>

Title: Alleged supply of sub-standard bulletproof jackets to the security forces in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार : आपने जो समय दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। इस सदन में आपके माध्यम से मैं एक अति लोक-महत्व का प्रश्न सरकार के संज्ञान में लाना चाहूंगा।

देश की सुरक्षा और खुफिया सूचना में हमेशा चूक हुई है, जिससे हजारों लोगों की जानें गई हैं। अभी समाचार-पत्रों में आप लोगों ने देखा होगा, टेलीविज़न पर भी आया कि गृह मंत्रालय के कई अधिकारी जबरदस्त भ्रष्टाचार के निशाने पर हैं। निदेशक, गृह मंत्रालय भी रिश्वत में पकड़े गये और बुलेटप्रूफ जैकेट की सप्लाई एक अंजनी टैक्नोप्लास्ट Eम्पनी ने की थी। मुम्बई की त्रासदी और आतंकी घटना के बाद 20 हजार बुलेटप्रूफ जैकेट्स अंजनी टैक्नोप्लास्ट उस कम्पनी से खरीदने के लिए फैसला मई, 2009 में लिया गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा गाइड और अन्य सुरक्षा बलों को ये बुलेटप्रूफ जैकेट्स उपलब्ध कराई जाती हैं। उसकी भी जांच होनी चाहिए, लेकिन कई बार जब मुठभेड़ हुई हैं तो हमारे सुरक्षा बलों के जवान उसमें शहीद हुए हैं। अभी 59 हजार बुलेटप्रूफ जैकेट्स के ताजा टेंडर को अगर जोड़ दें तो सी.बी.आई. ने तमाम जगहों पर पूछताछ की है। फिर 59 हजार बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने के लिए आदेश दिये गये हैं तो मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि सरकार इसमें संज्ञान ले। इस प्रकार की बुलेटप्रूफ जैकेट्स के कारण जब मुठभेड़ होती हैं तो हमारे जवान शहीद होते हैं। जब उसकी जांच होती है तो पता लगता है कि बुलेटप्रूफ जैकेट्स नकली थीं।

यह बहुत बड़ा घोटाला है। मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि सरकार की तरफ से इसका जवाब आये कि इस तरह के जो हमारे देश की सुरक्षा से जुड़े हुए सवाल हैं, जिसमें खुफिया एजेंसी की सूचना में भी चूक होती है तो इस को सरकार गम्भीरता से ले और तमाम जो जानें गई हैं, सुरक्षा में चूक सम्बन्धी मामले में जो भी अधिकारी इसमें दोषी पाये जायें, उनके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार इसको गम्भीरता से संज्ञान में ले। धन्यवाद।